	Hkkfrd 'kkL= ,o Ñf'k ekSle foKku foHkkx tokgjyky usg: Ñf'k fo'ofo|ky;] tcyiqj df'k ekSle lykg lsok, **(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)**	
सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. ओम गुप्ता, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॉ. एम. के. अवस्थी, सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, डॉ. पी. बी. शर्मा फल विज्ञान –डॉ. एस. के. पांडे, सब्जी विज्ञान – डॉ. बी. आर. पांडे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. एल. एस. सेखावत		
o"kZ&2021	vad&03	fnukad 09 ls 13 tuojh 2021	fnukad% 08-01-2021

¼ftyk tcyiqj dh fy, tokgjyky usg: Ñf'k fo'ofo|ky; tcyiqj ,o ekSle dsUnz Hkkiky }kjk la;qDr :i ls tkjh½

vkxkeh ikp fnuk dk ekSle iwokZuqeku%&

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान में बादल रहने एवं हल्की वर्षा होने की संभावना है । हवा 5.6 से 9.5 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 26.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 12.0 से 18.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

ekSle rRo @fnukd	09/01/2021	10/01/2021	11/01/2021	12/01/2021	13/01/2021
o"kkZ ¼fe-eh-½	1	0	0	0	0
vf/kdre rkieku ¼fM-l-½	26	28	28	28	26
U;wure rkieku ¼fM-l-½	18	17	15	13	12
vkisf{kr vknzrk ¼lqcg½	80	79	75	71	70
vkisf{kr vknzrk ¼'kke½	57	55	51	45	36
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	8.8	9.5	5.6	7.6	6.8
gok dh fn'kk	पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पश्चिम
Ckknyksa dh fLFkfr	घने	घने	घने	हल्के	हल्के

ekSle vk/kkfjr lkIrkfgd df"k ijke'kZ fnukad 09 ls 13 tuojh 2021

lkekU; lykg	• आने वाले 9 जनवरी को जबलपुर, कटनी, उमरिया, सिवनी, जिलों में हल्की वर्षा की संभावना है। पूर्वी मध्य प्रदेश में बादल घने एवं पूर्व से उत्तर पूर्व हवाएँ आने की संभावना है। जिस कारण तापमान में कमी होगी। • तोरिया, चना, मसूर, अलसी, बटरी, एवं सरसों का निरीक्षण करें तथा कीट एवं बीमारियों का प्रकोप दिखाई देने पर नियन्त्रण हेतु कृषि विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं अथवा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों से तुरंत सम्पर्क करें ।
xsgw	• गेहूँ की 20 से 25 दिन फसल में सिंचाई करें। सिंचाई पश्चात यूरिया का छिड़काव सिफारिस अनुसार करें। • गेहूँ में खरपतबार होने पर अनुसंसित खरपतबार नाशी दवा का छिड़काव बुवाई के 30 दिन बाद करें।
ljlksa	• 70 से 75 दिन की फसल में हल्की सिंचाई करें। खेतों की सतत निगरानी करें एवं माहूँ कीट के प्रकोप दिखने पर कीटनाशक दवा का छिड़काव वैज्ञानिको की सलाह से करें। • माहू से बचाव हेतु मेटासिस्टाक्स 2 मि. लि. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। तत्पश्चात 15 दिनों के बाद डायमेथियेट 2 मि. लि. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
puk	• बादल होने की स्थिति में इल्लियों का प्रकोप बढ़ सकता है । इसके उपाय हेतु निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र से सलाह लें। खेतों में **'T'** आकार की खूटियॉ (पक्षी आश्रय स्थल) लगा दें। • उखटा रोग का प्रकोप होने पर नजदीकी कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों की सलाह लें।
vjgj	• अरहर की फसल फली बनने से तुड़ाई की अवस्था में है । फसला का सतत निरीक्षण करते रहें । इल्ली दिखाई देने पर नियन्त्रण हेतु SPINOSAD या EMANETIN BENZOID दवा का छिड़काव वैज्ञानिकों की सलाह से करें। • पत्ती लपेटक कीट दिखाई देने पर क्लोरोपायरीफोस य इमिडाक्लोप्रिड 2 एम. एल. दवा प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करे।
Qynkj o{k	• नए बगीचों में कीट एवं बीमारियों का प्रबंधन करें। दवा का समुचित उपयोग विशेषज्ञो की देखरेख में करें । • अमरूद के फलों के आकार को बड़ा करने के लिए सिंचाई करे। • छोटे बगीचों एवं नए फलदार वृक्षों के उद्यानों में सिंचाई की समुचित व्यवस्था करें। • फल वृक्षों में थालों का निर्माण करें । खाद एवं उर्वरक की संतुलित मात्रा का उपयोग करें।
lfCt;k	• कुछ सब्जियों में फल छेदक इल्ली का प्रकोप बढ़ सकता है। उचित कीटनाशी का इस्तेमाल निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क के बाद करे। • सब्जियों के लिए पूर्व में बोई मटर की फल्ली की तुड़ाई कर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। • प्याज की नर्सरी शीघ्र लगाएँ एवं तैयार हो तो खेत में लगाएँ । • भूमि में नमी होने पर रोपित की गई सब्जियों में नत्रजन की मात्रा का प्रयोग कर हल्की गुड़ाई करें।
Ik'kq ,o eqxhZ ikyu	• जानवरों को हरे चारे हेतु बरसीम की कटाई करें तथा कटाई के दो दिन बाद सिंचाई एवं उपयुक्त उर्वरकों का उपयोग करें। • छोटे दिन होने की वजह से पोल्टरी फार्म में रात्रि में प्रकाश की व्यवस्था करें। मुर्गियों को न्यूनतम तापमान से बचायें। • नवजात बछड़े– बछड़ियों को कृमिनाशक दवा पिलाएँ। • गिरते हुए तपामान को देखते हुए पशुशाला की खिड़कियॉ एवं दरवाजा रात को बंद कर दें। • हरे चारे की अधिकता में साइलेज बनायें।

नोडल आफीसर

दिनांकः 08 जनवरी 2021